

संकर्ष क्रि. (तत्.) 1. खींच लेना 2. वापस लेना।
retract

संकर्षण क्रि. (तत्.) मधुमक्खी, बिल्ली आदि की विशिष्ट पेशियों में होने वाली वह क्रिया जिससे पेशियों से जुड़ा भाग वापस खिंच जाता है।
retraction पुं. 1. अपनी ओर खींचने की क्रिया या भाव 2. खेत में हल जोतना 3. ग्यारह रुद्रों में से एक रुद्र 4. श्रीकृष्ण के भाई बलदेव का एक नाम 5. वैष्णवों का एक संप्रदाय जिसके प्रवर्तक निम्बार्क थे 6. कानून में अधिकार, उत्तरदायित्व आदि के विचार से किसी वस्तु या व्यक्ति के स्थान पर अन्य वस्तु या व्यक्ति का रखा नाम चढ़ाया जाना। subrogation

संकर्षी वि. (तत्.) खींचने वाला।

संकल पुं. (तत्.) 1. दो या अधिक चीजों को एक में मिलाना 2. इकट्ठा करना 3. गणित में जोड़ या योग नाम की क्रिया 4. पश्चिमी पंजाब की एक प्राचीन पहाड़ी और उसके आसपास का स्थान (आजकल का साँगला) स्त्री. 1. शृंखला 2. जंजीर 3. साँकल।

संकलक पुं. (तत्.) कंप्यूटर में ऐसी युक्ति जो किसी दो या अधिक मुद्रित संस्थाओं या राशियों को जोड़ती है। compiler

संकलन पुं. (तत्.) 1. संग्रह, एकत्रित 2. ऐसी पुस्तक जिसमें तथ्यों या रचनाओं का चुनकर संग्रह किया गया हो 3. ढेर 4. राशि 5. योग, जोड़। compilation

संकलन बहुलक पुं. (तत्.) संकलन बहुलक एक ऐसा बहुलक है जो बहुत सारे बहुलकों के रसायनिक प्रक्रिया द्वारा जुड़ने पर बनता है, इस प्रक्रिया में सभी बहुलक बिना अणु गवाएँ आपस में जुड़ते हैं। addition

संकलनीय वि. (तत्.) संकलन करने योग्य। polymer

संकला पुं. (तत्.) शाकद्वीप।

संकलित वि. कृ. (तत्.) 1. जिसका संकलन हुआ हो 2. जो संकलन की क्रिया से बना हो 3. चुनकर या छाँटकर इकट्ठा किया हुआ 4. ढेर

लगाया हुआ 5. मिश्रित 6. संख्याएँ या राशियाँ जिन्हें जोड़ा गया हो 7. जिनका योग किया गया हो 8. योजित।

संकली पुं. (तत्.) रासा. वि. वह तत्व जो किसी वस्तु को सुधारने के लिए या संरक्षित करने के लिए उसमें मिलाया जाता है। additive

संकल्प पुं. (तत्.) 1. मन में उत्पन्न होने वाली कार्य विशेष करने की इच्छा 2. दृढ़ निश्चय 3. विचार 4. उद्देश्य 5. धार्मिक क्षेत्र में दान-पुण्य या कोई देवकार्य आरंभ करने से पहले एक निश्चित मंत्र का उच्चारण करते हुए अपना दृढ़ निश्चय या विचार प्रकट करना।

संकल्पना स्त्री. (तत्.) 1. अवधारणा 2. धारणा 3. संकल्प करने की क्रिया या भाव 4. मन में किसी धारणा, कल्पना विचार का उदय होना 5. किसी पदार्थ की विशेषताओं के संबंध में बनी सामान्य धारणा।

संकल्पा स्त्री. (तत्.) दक्ष की एक कन्या जो धर्म की पत्नी थी।

संकल्पित भू. कृ. (तत्.) 1. जिसकी संकल्पना की गई हो 2. निश्चयपूर्वक स्थिर किया हुआ 3. संकल्प किया हुआ।

संकल्प्य वि. (तत्.) 1. जिसका संकलन होने को हो या हो सकता हो 2. जो जोड़ा या युक्त किया जाने को हो।

संकष्ट पुं. (तत्.) संकट, कष्ट भारी विपत्ति, पीड़ा।

संकाय स्त्री. (तत्.) उच्च कोटि के अध्ययन के लिए ज्ञान-विज्ञान आदि का कोई विशिष्ट विभाग या शाखा। faculty

संकायाध्यक्ष पुं. (तत्.) विश्वविद्यालय में किसी संकाय का अध्यक्ष या प्रमुख अधिकारी। dean of faculty

संकार पुं. (तत्.) 1. धूल 2. बुहारन 3. कूड़ा-करकट 4. वह धूल जो झाड़ू देने से उड़े 5. ज्वालाओं के चटखने के शब्द।